प्रकाशनार्थ

15,जूनः

इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स(IFWJ) की 73वीं राष्ट्रीय परिषद के सम्मेलन वाराणसी मे दिनांक–15, जून 2017(गुरूवार) को आयोजित हुआ। सम्मेलन का विषय पत्रकार सुरक्षा कानून एवं भारत–नेपाल के संबधो को सुधारने पर मीडिया की सहभागिता पर था।

सभागार मे वैदिक मंत्रोच्चार के साथ मुख्य अतिथि नगर विकास मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार श्री सुरेश खन्ना, विशिष्ठ अतिथि भारत मे नेपाली राजदूत महामहिम श्री दीप कुमार उपाध्याय, आईएफडब्ल्यूजे के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री के.विक्रम राव, वाराणसी(उत्तर) से विधायक श्री रविंद्र जायसवाल एवं महासचिव श्री एच.बी.मदन गौडा(कर्नाटक), उत्तर प्रदेश वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन(UPWJU) के अध्यक्ष श्री हसीब सिद्दीकी, राष्ट्रीय सचिव(उत्तर) श्री संतोष चतुर्वेदी ने संयुक्त रूप से दीपप्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

सम्मेलन मे बतौर मुख्य अतिथि नगर विकास मंत्री श्री सुरेश खन्ना ने कहा कि पत्रकारों का नैतिक दायित्व है कि, चरित्र हनन से दूर रहें। पत्रकारो पर नैतिक दायित्व रहता है, कि पाठको, दर्शकों एवं श्रोता को सत्यपरख खबर दे। तथ्यों को तोडना और विकृत प्रचार करना न केवल अपने कर्तव्य से हटना है बल्कि गैरकानूनी है। श्री खन्ना ने चौनल मीडिया से आग्रह किया कि खबरों सत्यता को परख कर प्रस्तुत करे।

पत्रकार इस लोकतांत्रिक देश मे अपनी सामाजिक जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए राष्ट्र सेवा कर रहे है। उन्होने पत्रकारों को आत्ममंथन करने को कहते हुए कहा कि एक निरंकुश लेखनी देश एवं समाज के स्वनाश का सूत्रधार होती है। श्री खन्ना ने सममेलन मे चर्चा करते हुए कहा कि पत्रकारिता का प्रभाव समाज पर लगातार बढ़ रहा है। इसके बावजूद यह पेशा अब संकटों से घिरकर लगातार असुरक्षित हो गया है। उन्होने कहा कि वे खुद दो सप्ताहिक समाचार पत्रों का संपादन कर चुके है, पर लघु समाचार पत्र से जुडे सभी लोग असुरक्षित महसूस करते है। नगर विकास मंत्री ने आईएफडब्ल्यूजे के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री के.विक्रम राव को धन्यवाद किया, इस प्रकार के अंतर्राष्ट्रीय पत्रकारों का मंच देने के लिए। उन्होने काशी विश्वनाथ(वाराणसी)–गोरखनाथ(गोरखपुर)–पशुपतिनाथ(काठमांडू) की अध्ययन यात्रा पर जाने वाले सभी पत्रकारों का बधाई एवं शुभकामनां दी।

विशिष्ठ अतिथि भारत मे नेपाली राजदूत महामहिम श्री दीप कुमार उपाध्याय दिल्ली से विशेष कर इस सम्मेलन को संबोधित करने आए थे। उन्होने कहा कि मीडिया के कतिपय लोगों ने समाचार को भिन्न ढग से दिखाया। पूर्व प्रधानमंत्री पुष्पकमलदहल प्रचंड अब भारत के काफी समीप हो गए है। भारत के दृश्टिकोण को समझते है। जिसप्रकार प्रचंड के उत्तराधिकारी के रूप मे नेपाली कांग्रेस के शेर बहादुर लेउवा प्रधान मंत्री बने है, ये दिखाता है कि प्रचंड की पार्टी एवं नेपाली कांग्रेस ने सिद्धांत प्रियता निर्वाह किया है। सारे भारत से आए आईएफडब्ल्यूजे के 160 प्रतिनिधियों को नेपाल के राजदूत ने उनकी नेपाल यात्रा पर शुभकामनाएं दी। इसी क्रम में श्रीलंका से आया पत्रकारों का 18 सदस्यिय दल भी इस आयोजन में शामिल हुआ था। इस दल कि अगुई कर रहे श्री उपुल जनकसिंघ्र ने कहा कि IFWJ और श्रीलंका के पत्रकार कई वर्षो से एक दुसरे से मैत्री सम्बन्ध बनाये हुए है। हर साल एक 20–25 सदस्यिय दल श्रीलंका कि यात्रा पे जाता है और और उसी क्रम में श्रीलंका का एक 20–25 सदस्यिय दल भारत कि यात्रा पे आता है।

श्रीलंका से आये एक पत्रकात, जिन्हें पेंटिंग बनाने का शौक है ने मंत्री सुरेश खन्ना कि 7 मिनट में एक्स तस्वीर बना कसर उन्हें भेट करी। उक्त श्रीलनकाई पत्रकार के नाम पर कई वर्ल्ड रिकॉर्ड है।

आईएफडब्ल्यूजे का प्रतिनिधि मंडल कल से सप्ताह भर के लिए इस हिमालयी गणराज्य की अध्यय यात्रा पर जा रहा है। इसका नेतृत्व आईएफडब्ल्यूजे के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री के.विक्रम राव करेगे।

सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए आईएफडब्ल्यूजे के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री के.विक्रम राव ने पत्रकार सुरक्षा एवं कल्याण के लिए पाकिस्तान की संसद ने एक कानून स्वीकार किया है। वहा के पत्रकार इस कानून से ज्यादा सूरक्षित है। श्री राव ने भारत सरकार से आग्रह किया कि पाकिस्तानी कानून के ढाचे पर भारतीय संसद कानून बनाएं। देश भर से आए 160 राष्ट्रीय पार्षदों ने बीएचयू के पत्रकारिता एवं जनसम्प्रेषण विभाग के अध्यक्ष प्रो. कुमार पंकज को धन्यवाद किया। प्रो.पंकज ने पत्रकारिता के उन्नयन मे काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के योगदान की चर्चा की।

इसके पहले उत्तर प्रदेश वर्किंन जर्नलिस्ट यूनियन(IFWJ) के अध्यक्ष श्री हसीब सिद्दीकी तथा आयोजन एवं स्वागत समिति के अध्यक्ष डा. अशोक कुमार सिंह ने सम्मेलन मे शामिल हुए देश के 28 राज्यों एवं दक्षिण एशिया देश के पत्रकारों का स्वागत एवं आभार व्यक्त किया।

हसीब सिद्दीकी
प्रदेश अध्यक्ष
U.P.W.J.U.